उज्जैन में पंचक्रोशी यात्रा 12 से 16 अप्रैल तक

- 118 किलोमीटर पैदल चलकर महादेव के दर्शन करेंगे श्रद्धालु
- अधिकारियों ने किया यात्रा मार्ग का निरीक्षण

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिर पर गठरी पैरों में छाले होने के बावजूद अटूट आस्था के साथ पूरे मार्ग की पैदल पंचक्रोशी यात्रा पूरी करने वाले श्रद्धालुओं की समुचित व्यवस्था की जा रही है. सड़क पानी बिजली, टेंट तम्बू लगाए जा रहे हैं. ग्रामीणों की श्रद्धा का सैलाब इस दौरान उमड़ता है.

महाकाल की नगरी में हर वर्ष वैशाख माह में निकलने वाली पंचक्रोशी यात्रा इस बार 12 से 16 अप्रैल तक आयोजित होगी. करीब 118 किलोमीटर की यह पवित्र पैदल परिक्रमा 5 दिनों में पूरी की जाती है. यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल होते हैं.

खुले आसमान के नीचे सोते श्रद्धालु -पंचक्रोशी यात्रा के दौरान श्रद्धालु अपने साथ भोजन की सामग्री गठरी में बांधकर चलते हैं. रास्ते में दाल-बाटी बनाकर भोजन करते हैं और खुले आसमान के नीचे विश्राम करते हैं. पांच दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में श्रद्धालु 84 महादेव के दर्शन और पूजा-अर्चना करते हैं. मान्यता है कि पंचक्रोशी परिक्रमा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

अफसर पहुंचे यात्रा मार्ग, किया मुआयना

पंचक्रोशी यात्रा को लेकर प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया है. वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. नागचंद्रेश्वर महादेव मंदिर में पानी की टंकी की सफाई, सीसीटीवी कैमरे, लाइट और एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए. इस दौरान सिंहस्थ मेला अधिकारी सम्भाग आयुक्त आशीष सिंह, उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, डीआईजी नवनीत भसीन,एसपी प्रदीप शर्मा,समेत सभी अफसर मौजूद रहे.

नर सेवा नारायण सेवा

यात्रा के दौरान उज्जैन शहर के लोग भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सेवा में जुट जाते हैं. जगह-जगह खिचड़ी, फल, पानी और ठंडाई का वितरण किया जाता है. नर सेवा को नारायण सेवा मानते हुए शहरवासी यात्रियों के लिए भोजन, जल और विश्राम की व्यवस्था करते हैं.

भगवान से लेते हैं बल, फिर लौटकर जताते हैं आभार

मान्यता के अनुसार श्रद्धालु पटनी बाजार स्थित नागचंद्रेश्वर महादेव मंदिर से बल लेकर यात्रा शुरू करते हैं. कहा जाता है कि भगवान नागचंद्रेश्वर पांच दिनों तक यात्रियों को पैदल चलने की शक्ति प्रदान करते हैं और यात्रा पूर्ण होने के बाद श्रद्धालु पुन: मंदिर पहुंचकर आभार प्रकट करते हैं.

पांच पढ़ाव आते हैं -उंडासा, पिंगलेश्वर, त्रिवेणी, करोहन, नलवा और अंबोदिया सहित विभिन्न पड़ाव स्थलों का निरीक्षण किया. मार्ग में पेयजल व्यवस्था बढ़ाने, खुले कुओं की बैरिकेडिंग करने, अस्थायी शौचालय और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए. पिंगलेश्वर में रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सीसीटीवी कैमरे लगाने और त्रिवेणी में स्नान के लिए शॉवर लगाने की व्यवस्था भी की जा रही है.

सचिन सिन्हा एसीएस के पद पर होंगे पदोन्नत

- स्मिता भारद्वाज के सेवानिवृत्त होने से रिक्त होगा एसीएस का एक पद

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 28 मार्च. भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1995 बैच के अधिकारी सचिन सिन्हा एक अप्रैल से अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नत होंगे. सिन्हा इस समय विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह महानिदेशक नरोन्हा प्रशासन अकादमी के पद पर पदस्थ हैं. उन्हें यहां 4 फरवरी 2025 को पदस्थ किया गया था, तब से लगातार यहां बने हुए हैं.

वहीं इसी माह अपर मुख्य सचिव स्मिता भारद्वाज सेवानिवृत्त हो रही हैं. 1992 बैच की अधिकारी श्रीमती भारद्वाज इस समय अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल के पद पर पदस्थ हैं, उन्हें यहां 3 अक्टूबर 2024 को पदस्थ किय गया था. श्रीमती भारद्वाज के सेवानिवृत्त होने से अपर मुख्य सचिव का एक पद रिक्त होगा, जिस कारण सिन्हा को पदोन्नत होने का मौका मिल सकेगा. यहां बता दें कि वर्ष 1995

बैच एक मात्र ऐसा बैच है, जिसमें केवल एक आईएएस हैं. सिन्हा से पहले जनवरी में शिवशेखर शुक्ला को अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया था, वे 1994 बैच के अधिकारी हैं. वहीं वर्ष 1995 बैच के सिन्हा के एसीएस पद पर पदोन्नत होने के बाद 1996 बैच के आईएएस अफसरों के एसीएस बनने की राह खुलेगी. इस बैच में डीपी आहुजा पहले अधिकारी होंगे, जो कि अभी प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग के पद पर पदस्थ हैं, लेकिन उन्हें पदोन्नति के लिए मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन के रिटायरमेंट तक इंतजार करना होगा.

जैन 31 अगस्त को रिटायर होंगे, इस कारण मप्र में अपर मुख्य सचिव का एक पद रिक्त होगा, उसके बाद ही आहुजा को मौका मिलेगा,

बस हादसा और रसोई गैस संकट पर सरकार पर विपक्ष का हमला

भोपाल, 28 मार्च. मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शनिवार को छिंदवाड़ा बस हादसे और देशभर में जारी रसोई गैस संकट को लेकर राज्य एवं केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि ये घटनाएं प्रशासनिक विफलता और जनसुरक्षा की अनदेखी को उजागर करती हैं. प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री सिंघार ने कहा कि 26 मार्च को छिंदवाड़ा-नागपुर मार्ग पर हुई बस दुर्घटना, जिसमें 10 लोगों की मौत और लगभग 40 लोग घायल हुए, शासन-प्रशासन की गंभीर लापरवाही का परिणाम है.

उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्घटनाग्रस्त बस मुख्यमंत्री मोहन यादव की सभा से लौट रही थी, जिससे कार्यक्रम में शामिल लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े

होते हैं. साथ ही, उन्होंने यह भी मांग की कि महिलाओं को 'लाड़ली बहना योजना' के लाभ बंद करने की धमकी देकर कार्यक्रम में शामिल कराने के आरोपों की जांच कराई जाए. उन्होंने पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है.

रसोई गैस संकट पर बोलते हुए सिंघार ने कहा कि पिछले 20 दिनों से आपूर्ति बाधित होने के कारण घरों, होटलों और छोटे उद्योगों पर गंभीर असर पड़ा है. उन्होंने केंद्र सरकार की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयात पर अत्यधिक निर्भरता के बावजूद पर्याप्त रणनीतिक योजना नहीं बनाई गई. उन्होंने आरोप लगाया, 'यह सरकार न लोगों की जान बचा पा रही है और न ही उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी कर पा रही है,' और इसे जनता के प्रति सरकार की उदासीनता का उदाहरण बताया.

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

मुलाकात हुई, जाने क्या बात हुई

पिछले दिनों मंत्रालय की पांचवीं मंजिल में विपक्षी दल कांग्रेस के दो दिग्गजों ने एक ताकतवर अफसर के साथ बंद कमरे में लंबी गुफ्तगु की. इस लंबी मुलाकात के दौरान माहौल हलका बना रहा और चाय की चुस्कियों का दौर चलते रहा. ये दोनों ही नेता फिलहाल हाशिये में चल रहे हैं, एक ने तो पिछले दिनों एक बड़ी जिम्मेदारी से इस्तीफा ही दे दिया था, वहीं दूसरे नेताजी को भी संगठन में पूरी तवज्जो नहीं मिल रही है. ऐसे में इस मुलाकात के मायने निकाले जा रहे हैं. ये मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष के इस कद्दावर नेता के पाला बदलने को लेकर अटकलें भी लग रही है. अब ये तो अंदर की बात है... मुलाकात हुई... जाने क्या बात हुई.

दीया तले अंधेरा

प्रदेश के एक ताकतवर मंत्री दीया तले अंधेरा वाली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं. एक ऐसा क्षेत्र जहां उनका जबर्दस्त दखल है और उनके एक प्रिय प्रोजेक्ट ने आकार लिया है, वहां के आम लोग एक अदद डॉक्टर के लिए तरस रहे हैं. बताया जा रहा है कि यहां आश्वासन की कोई कमी नहीं रही, लेकिन मंत्रीजी के आश्वासन केवल हवा-हवाई ही साबित हुए. सबसे बड़ी बात ये कि वे विभाग को लीड भी करते हैं. अब गृह क्षेत्र का ये हाल है तो फिर प्रदेश के बाकी हिस्सों में पकड़ का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है.

फावड़ा, गेती चलाते दिखे मंत्रीजी

प्रदेश के एक कद्दावर मंत्री जी पिछले दिनों राज्य सरकार के एक अभियान के सिलसिले में श्रमदान के लिए सीधे ग्राउंड जा पहुंचे. बस फिर क्या था, गेती, फावड़ा लेकर जमीन की खुदाई करने लग गए. वैसे तो मंत्री सामान्य तौर पर प्रतीकात्मक तरीके से ही श्रमदान करते हैं, लेकिन मंत्रीजी रुकने का नाम नहीं ले रहे थे और तो और साहब कुर्ता -पाजामा छोड़ सीधे बरमुडा यानी हॉफ पेंट पर मोर्चे में डटे रहे. उनके इस अथक श्रमदान की जितने लोग उतनी बातें... होती रही. कुछ का कहना था कि मंत्रीजी का सरकार में ज्यादा मन नहीं लग रहा है, इसलिए वे कोई और राह पकड़ सकते हैं. अब उनके मन की तो वे ही जानें, हम क्या कहें?

...और आग बुझाने लग गए राज्य मंत्री जी

पिछले दिनों एक राज्य मंत्री महोदय क्षेत्र के प्रवास पर जा रहे थे, देखा कि एक महिला अपने खेत में लगी आग को बुझाने के लिए चिल्ला रही थी. साहब ने काफिला रुकवाया और सीधे गेहूं के खेत जा पहुंचें और आग बुझाने का जतन करने लगे. बस फिर क्या था कि उनकी इस कर्मठशीलता का वीडियो भी बनने लगा. बाद में इसे क्षेत्र में जमकर प्रचारित किया गया कि देखो साहब कितने संवेदनशील हैं. वैसे उनके महकमे के क्षेत्र में आग लगने का सीजन भी शुरू हो गया है, हो सकता है कि उनके ग्राउंड जीरो के अनुभव महकमे के कुछ काम आए.

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

पार्किंग स्टैंड की ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक –रतलाम मंडल पश्चिम रेलवे पार्किंग स्टैंड की ई–नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को **IREPS** वेबसाईट ई–ऑक्शन पर प्रकाशित किया गया है। विवरण निम्न प्रकार से है। **केटलॉग सं.–** PARKING-RTM-103. **अनुबंध का प्रकार :** पार्किंग स्टैंड। **लॉट न. :** PARKING-RTM-BMI-MX-80-26-1 (Bamania TW & FW), PARKING-RTM-SEH-MX-82-26-1 (Sehore TW & FW). PARKING-RTM-KUH-MX-79-25-1 (Khachroad TW, ThW & FW), PARKING-RTM-BNG-TW-86-26-1 (Barnagar), **अनुबंध की अवधि :** 03 Years. ई–नीलामी की तिथि और समय सभी लॉट के लिए ई–नीलामी **दिनांक 13.04.2026 को 11:00 बजे प्रारंभ होगी**। प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। **IREPS** के ई–ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज समापन समय देखा जा सकता है।

SNP-523

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध : राजपूत

भोपाल , 28 मार्च. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा इनके वितरण में किसी प्रकार की कमी या बाधा नहीं है। उन्होंने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे ईंधन आपूर्ति में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की स्थिति सामान्य है और सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा कंपनी के डिपो से पेट्रोल और डीजल की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**